कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

भाग - 3

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बड़े बाँधों के खिलाफ पर्यावरण आंदोलन :-

- 1980 के दशक के शुरूआती और मध्यवर्ती वर्षों में विश्व का पहला बाँध विरोधी आंदोलन दक्षिणी गोलार्द्ध में चला।
- ऑस्ट्रेलिया में चल रहा यह आंदोलन फ्रैंकलिन नदी तथा इसके परवर्ती वन को बचाने का आंदोलन था।
- भारत में भी बाँध-विरोधी और नदी हितैषी कुछ अग्रणी आंदोलन चल रहे हैं।
- इन आंदोलनों में नर्मदा आंदोलन सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है।

नोट :- भारत में बांध विरोधी तथा पर्यावरण बचाव में अन्य आंदोलन एक अर्थ में समानधर्मी है क्योंकि ये अहिंसा पर आधारित है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संसाधनों की भू-राजनीति





- यूरोपीय ताकतों के विश्वव्यापी प्रसार का एक मुख्य साधन और मकसद रहे हैं संसाधन।
- संसाधनों को लेकर राज्यों के बीच तानातनी हुई।
- संसाधनों से जुड़ी भू-राजनीति को पश्चिमी दुनिया ने ज्यादातर व्यापारिक संबंध, युद्ध और ताकत के संदर्भ में सोचा।
- 17वीं सदी के समय इमारती लकड़ियों की आपूर्ति यूरोपीय शक्तियों की प्राथमिकताओं में रही।
- जहाज की शहतीरों के लिए इमारती लकड़ी की आवश्यकता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

शीतयुद्ध के दौरान – संसाधनों की भू–राजनीति



उत्तरी गोलार्द्ध के विकसित देशों ने संसाधनों की सतत् आपूर्ति के लिए कई तरह के कदम उठाये

- संसाधन दोहन इलाकों तथा समुद्री परिवहन मार्गों के इर्द–गिर्द सेना की तैनाती
- महत्वपूर्ण संसाधनों का भण्डारण
- संसाधनों के उत्पादक राष्ट्रों में मनपंसद सरकारों की बहाली
- बहुराष्ट्रीय निगमों और अपने हितसाधक अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को समर्थन

पश्चिमी देशों के राजनीतिक चिंतन का केन्द्रीय सरोकार यह था कि संसाधनों तक पहुंच अबाध रूप से बनी रहे क्योंकि सोवियत संघ इसे खतरे में डाल सकता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

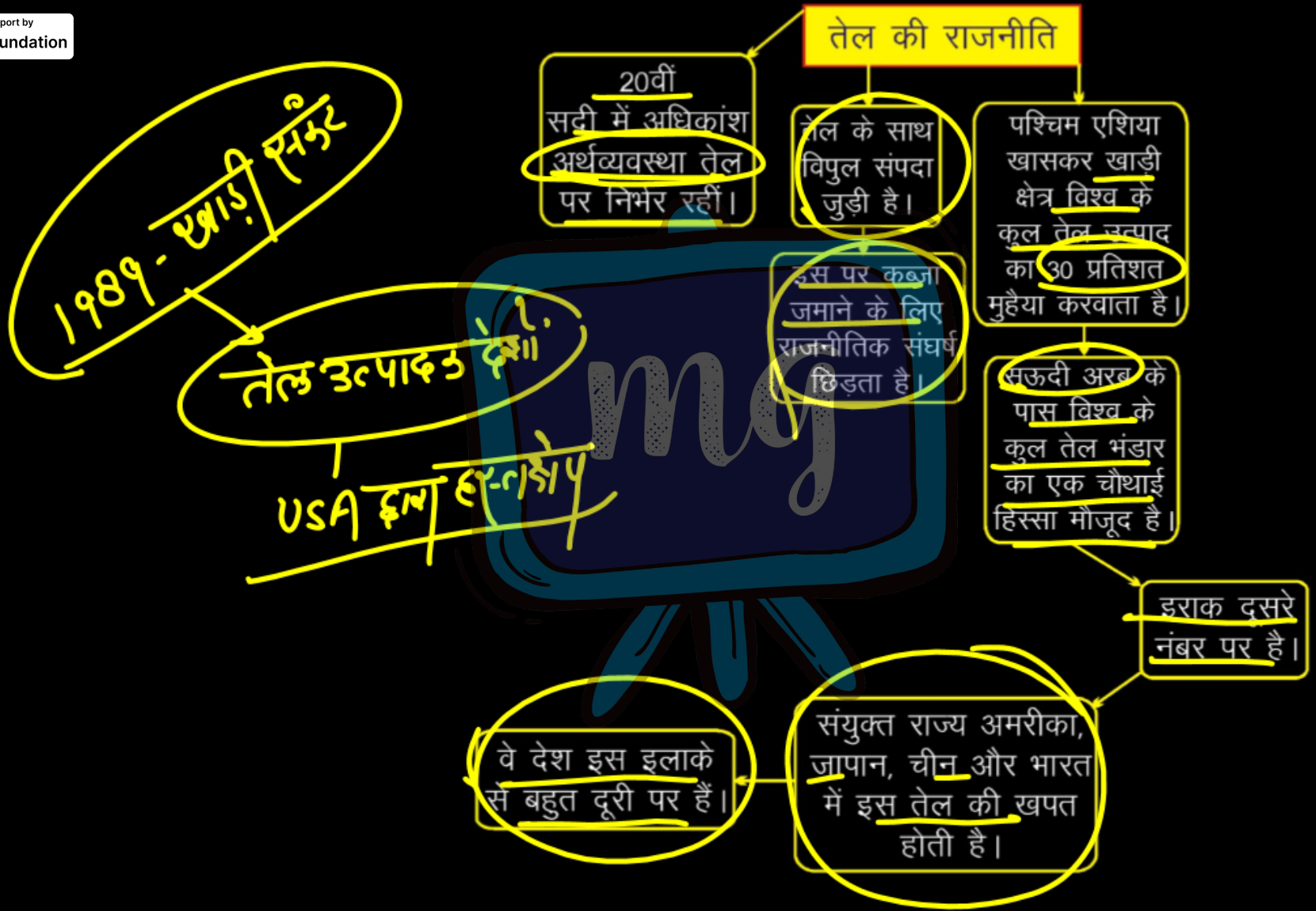

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

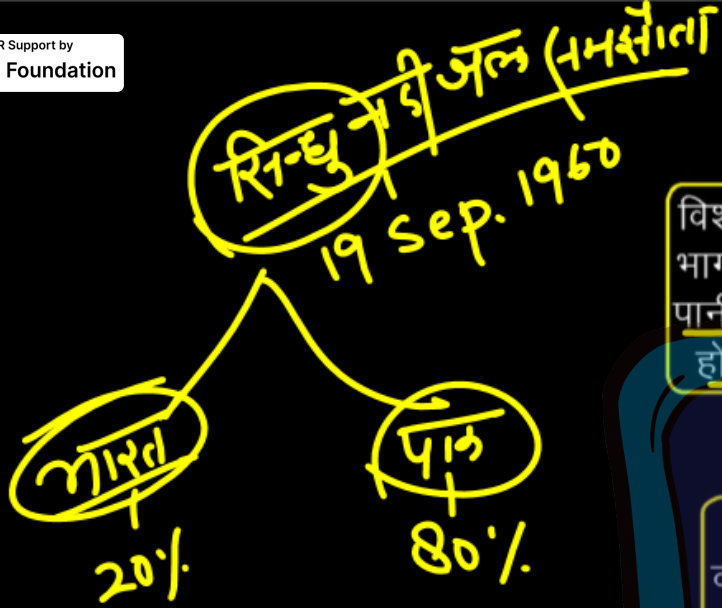

पानी और विश्व राजनीति

- विश्व के कुछ भागों में साफ पानी की कमी हो रही है।
- विश्व के हर हिस्से में स्वच्छ जल समान मात्रा में मौजूद नहीं
- जलधारा के उद्गम से दूर बसा हुआ देश उद्गम के नजदीक बसे हुए देश द्वारा इस पर बांध बनाने, इसके माध्यम से अत्यधिक सिंचाई करने एवं प्रदूषित करने पर आपत्ति जताता है।
- 1950 और 1960 के दशक में इजरायल सीरिया तथा जार्डन के बीच संघर्ष हुआ।
  - तुर्की, सीरिया व ईराक के बीच फरात नदी पर बांध के निर्माण को लेकर तनाव

जीवनदायी संसाधन को लेकर हिंसक संघर्ष होने की संभावना

विश्व–राजनीति के कुछ विद्वानों ने 'जलयुद्ध' शब्द गढ़ा।

क्योंकि इससे दूर बसे हुए देश को पानी की मिलने वाली मात्रा कम होगी।

देशों के बीच स्वच्छ जल संसाधनों को हथियाने या उनकी सुरक्षा करने के लिए हिंसक झड़पें हुई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

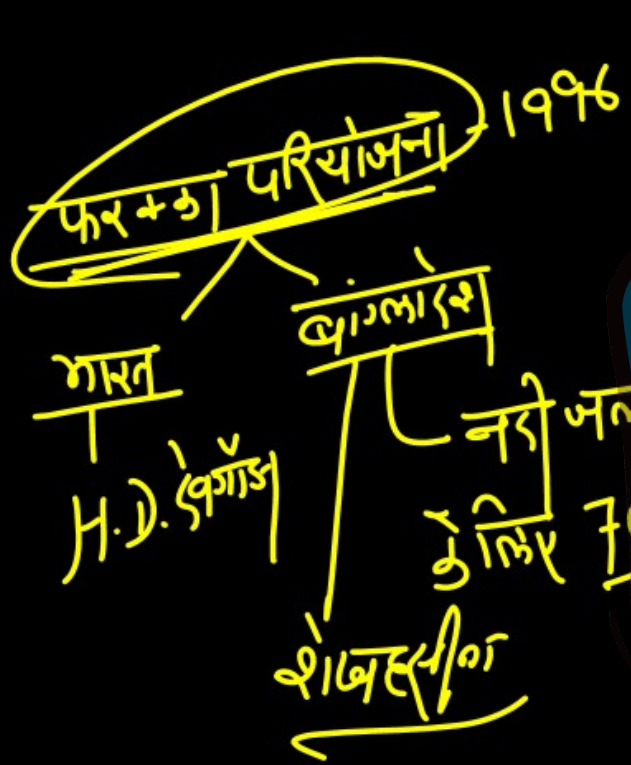

मूलवासी और उनके अधिकार

- मूलवासियों का सवाल पर्यावरण संसाधन और राजनीति को एक साथ जोड़ देता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1982 में इनकी एक परिभाषा दी।
- इन्हें ऐसे लोगों का वंशज बताया गया जो किसी मौजूदा देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे थे।
- फिर कभी किसी दूसरी संस्कृति या जातीय मूल के लोग विश्व के दूसरे हिस्से से उस देश में आये और इन लोगों को अधीन बना लिया।
- किसी देश के 'मूलवासी' आज भी उस देश की संस्थाओं के अनुरूप आचरण करने से ज्यादा अपनी परंपरा, सांस्कृतिक रिवाज तथा अपने खास सामाजिक, आर्थिक ढर्रे पर जीवन यापन करना पसंद करते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



विभिन्न देशों में मूलवासी

- फिलीपिन्स के कोरडिलेरा क्षेत्र में 20 लाख मूलवासी
- चिले में 'मापुरो' नामक मूलवासियों की संख्या 10 लाख
- बांग्लादेश के चटगांव पर्वतीय क्षेत्र में 6 लाख आदिवासी
- उत्तरी अमरीकी मूलवासियों की संख्या 3 लाख 50 हजार है।
- पनामा शहर के पूरब में 'कुना' नामक मूलवासी 50 हजार
- उत्तरी सोवियत में 10 लाख मूलवासी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

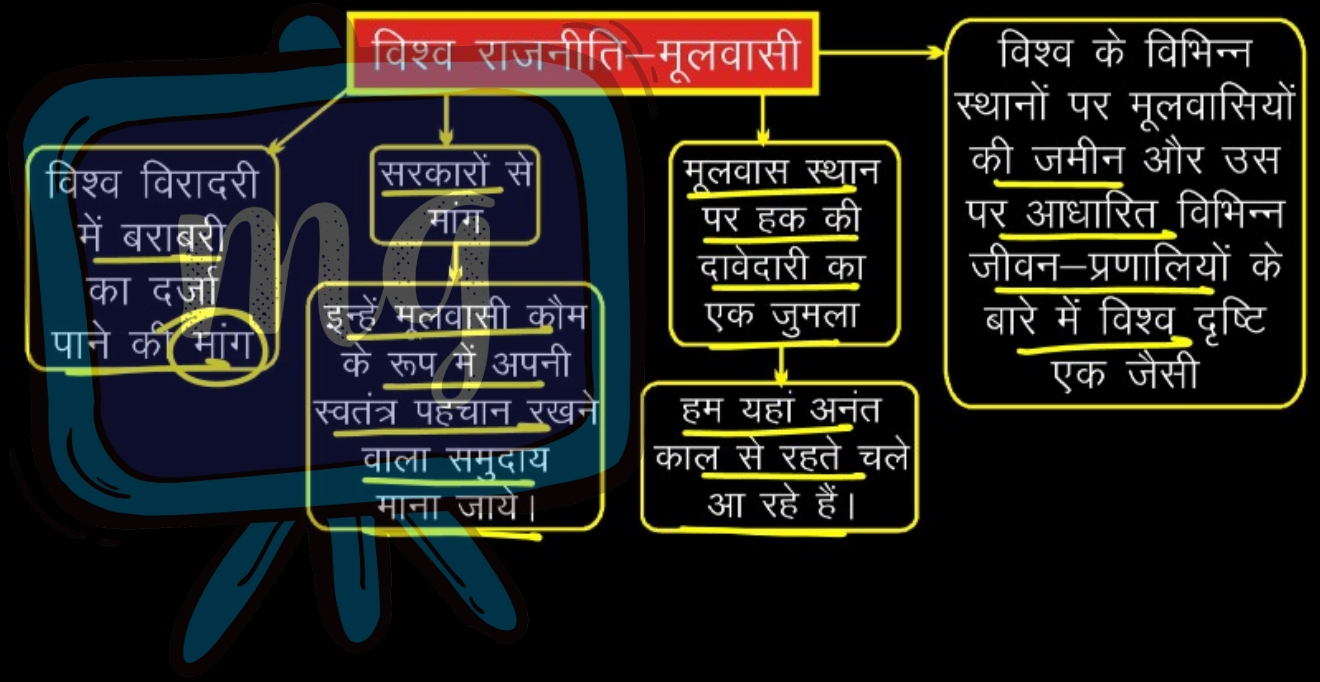

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भारत में मूलवासी

'मूलवासी' के लिए अनुचित जनजाति या आदिवासी शब्द का प्रयोग

कुल जनसंख्या का आठ प्रतिशत

अधिकांश अपने जीवन यापन के लिए खेती पर निर्भर

सदियों से वे लोग बेधड़क जितनी बन पड़े उतनी जमीन पर खेती करते आ रहे थे।

ब्रितानी औपनिवेशिक शासन से इनका सामना बाहरी समुदायों से।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से इनको संवैधानिक सुरक्षा हासिल

देश के विकास का इन्हें लाभ नहीं

विकास परियोजनाओं के कारण इनको विस्थापित होना पड़ा।

इन्होंने विकास की बहुत बड़ी कीमत चुकायी है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

World Council of Indigenous Peoples

WCIP

स्थापना

जॉर्ज मैन्युएल

HQ - उनाइ

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में मूलवासी समुदायों के अधिकारों से जुड़े मुद्दे -

- 1970 के दशक में विश्व के विभिन्न भागों के मूलवासियों के नेताओं के बीच संपर्क बढ़ा।
- इससे इनके साझे अनुभवों और सरोकारों को एक शक्ल मिली।
- 1975 में 'वर्ल्ड काउंसिल ऑफ इंडिजिनस पीपल' का गठन हुआ।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ में सबसे पहले इस परिषद को परामर्शदायी परिषद् का दर्जा दिया गया।
- इसके अतिरिक्त आदिवासियों के सरोकारों से संबद्ध 10 अन्य स्वयंसेवी संगठनों को भी यह दर्जा दिया गया।